

- ferire, occidere; explorare, investigare. Cf. भल् 1. 4., बिल्, भिल्.
3. बल् 10. P. बालयामि (भृतौ κ.) sustentare, nutrire. K.: बालयति बालम् पिता. (Cf. भृ i. e. भर.)
4. बल् 10. P. बलयामि (निचूपणे κ. निचूपे v.) explorare, investigare. V. 2. बल्.
- बल (r. बल् s. झ) 1) n. vis, robur. IN. 4. 8. H. 4. 14. 2) n. exercitus. N. 2. 11. 17. 22. 3) m. nom. pr. *Daiyi*, quem *Indrus* occidit. (Cf. lat. *valor*, *validus*, *valeo*, cum praep. *de*: *debilis*.)
- बलवत् (a praec. s. वत्) 1) Adj. vi, robore praeditus, robustus, fortis. H. 1. 8. 42. 2. 12. 2) Adv. valde. A. 7. 24.
- बलाका v. वलाका.
- बलाहक m. nom. pr. DR. 2. 13.
1. बलि m. (r. बल् s. इ) 1) nutrimentum, cibus. RAGH. 2. 24. 2) tributum. RAGH. 1. 18. 3) sacrificium. 4) nom. pr. *Daiyi*. A. 5. 16.
2. बलि f. (r. बल् s. इ) ruga.
- बलिन् (a बल s. इन्) vi, robore praeditus, fortis, robustus. H. 4. 14.
- बलिभ (a बलि s. भ) rugosus.
- बलिष्ठ *Superl.* a बलवत् vel बलिन्. *Etiam sensu Compar.* (v. gr. min. 227.). RAGH. 17. 59.: बलिष्ठम् चेत परस्मात्.
- बली f. i. q. बलि f. MAH. 1. 3467.
- बलीयस् (*Compar.* a बलवत् vel बलिन्, v. gr. min. 227.) valde fortis. H. 4. 8.
1. बल्ह vel वल्ह 1. 4. i. q. 2. बर्ह et 3. बर्ह.
2. बल्ह vel वल्ह 10. P. (त्विषि) splendere. Cf. 1. बर्ह.
- बहिस् v. वहिस्.
- बङ्ग (*fem.* वी vel उ, scribitur etiam वङ्ग, r. बंह vel वंह ejectâ nasali suff. उ) multus. SA. 1. 11. — Adv. multum. N. 13. 64. (Gr. *βαθύς*, cf. lat. *pro-fundus*, v. बंह et Benfey II. 67.)
- बङ्गतिथ (e praec. s. तिथ) multus, *de tempore*. N. 13. 2. 61. SA. 4. 1.
- बङ्गपत्नीकृत् (multas uxores faciens e बङ्गपत्नी - बङ्ग et पत्नी uxor - et कृत् faciens) multas uxores in matrimonium ducens. BR. 2. 34.
- बङ्गधा (a बङ्ग s. धा) multipliciter. N. 10. 13. BH. 9. 15. 13. 4.
- बङ्गमान m. (r. मन् praef. बङ्ग magnificere - v. gr. 653. - suff. झ) observantia, cultus. A. 4. 56.
- बङ्गल (a बङ्ग s. ल) 1) multus. N. 13. 13. 2) niger, obscurus. RAGH. 11. 15.
- बङ्गविध (*BAH.* ex बङ्ग et विध vel विधा genus, species, modus) multimodus, multifarius, varius. BR. 3. 20. BH. 4. 32.
- बङ्गशस् Adv. (a बङ्ग s. शस्) multum, saepe. N. 18. 7. 23. 22. SA. 5. 84.
- बङ्गश्रयं (*BAH.* e बङ्ग et श्रयं miraculum) multa miracula, multa mirabilia habens. IN. 5. 14.
- बाड् vel वाड् 1. A. (आप्रावे) lavare, se lavare, *se baigner*. κ. बाडते (वाडते) गङ्गायाम् मुनिः. (Germ. vet. *bad* balneum, *badôn* se lavare; lat. *bal-neum* cum *l* pro *d*; gr. *βαλανεῖον*.)
- बाण v. वाण.
- बाध् v. वाध्.
- बाधा v. वाधा.
- बान्धव m. (a बन्धु s. झ, v. gr. 648. et 650.) affinis, cognatus. H. 1. 42. BR. 2. 23.
- बाल m. (r. 3. बल् nutrire s. झ) 1) puer, parvulus, infans. *Collective, in Plur. vel initio compos.* pueri, parvuli, infantes *utriusque sexus*. BR. 1. 28. 3. 7. N. 12. 123. SA. 2. 8. 2) pilus. 3) cauda. RAGH. 9. 66. MEGH. 54. — *Adj.* infans, aetate parvus, juvenis, novus, novellus, recens. UR. 75. 13.: बालम् इवे 'न्दुम्; RAGH. 3. 22.: बालचन्द्रमाः; SAK. 8. 9.: बालविटपिभ्यः. (Lith. *wála-s* pilus caudae equi. V. sq.)
- बालक (a praec. s. क) puer, parvulus. N. 9. 23. (Hib. *ballach* «a boy».)
- बालखिल्य m. *Geniorum* genus pollicis magnitudinem aequans (Wils.: *A divine personage of the size of the thumb*;